



वर्ग: 10वीं, सामाजिक अध्ययन (राजनीति विज्ञान) पाठ: 2 लोकतंत्र:



राजनीतिक सत्ता में भागीदारी/

दुनिया में साझेदारी

(क) इन दो शब्दों का प्रयोग करके एक वाक्य बनाकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. श्रीलंका के स्थानीय लोगों की भाषा क्या है और वे किस धर्म का पालन करते हैं?

उत्तरी श्रीलंका के मूल निवासी सिंहली भाषा बोलते हैं और बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं।

2. बेल्जियम के लोग कौन सी दो मुख्य भाषाएँ बोलते हैं?

उत्तर: डच और फ्रेंच

3. संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के अंतर्गत क्या प्रावधान किए गए हैं?

उत्तर: 1992 में 73वीं और 74वीं विधानसभा हुई। 73वीं विधानसभा में स्वच्छ जल के मुद्दे पर संविधान स्थापित करने का निर्णय लिया गया और 74वीं विधानसभा शहरी लोकतंत्र से संबंधित है।

4. संघ बनाने के दो तरीके क्या हैं?

उत्तर: आटा बनाने की विधि:-

1. केंद्र प्रमुख

2. आत्म-केंद्रित

5. केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों पर कौन सा आयोग गठित किया गया था और इसके सदस्य कौन थे?

उत्तर: केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों की जाँच के लिए एक आयोग का गठन किया गया था। इसके अध्यक्ष आर.आर.

नहीं यह नहीं।

6. भारत के दो नवीनतम सफल केंद्र कौन से हैं?

उत्तर: जम्मू और कश्मीर और लुथियाना

7. निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करें:

उत्तर:

सीरीयल नम्बर।	स्तंभ 1	कॉलम 2
1.	इंडोनेशिया गणराज्य की स्थापना की 42वीं वर्षगांठ	संसाधनकुंची की सफाई
2.	संविधान का आठवाँ संशोधन संविधान	22 राष्ट्रीय भाषाओं को मान्यता
3.	का 73वाँ और 74वाँ संशोधन	पंचायत राज और शहरी लोकतंत्र
4.	अध्ययन का भाग-9, 9-ए, 11वीं और 12वीं कक्षा	पंचायत राज की स्थापना

8. भारत के कौन से राज्य इस सदी में 7वें और 8वें केंद्र शासित प्रदेश बन गए हैं?

- (i) जम्मू और कश्मीर और लुधियाना (ii) दादरा और नगर हवेली (iii) गोवा दमन और सदाओ
(iv) पुडुचेरी और चंडीगढ़

उत्तर- (i) जम्मू और कश्मीर और लुधियाना 9. कौन सा

देश सार्क का सदस्य है?

- (i) समय लेने वाला (ii) सतुबात (iii) मेडागास्कर (iv) अफगान

उत्तर- (iv) अफगानिस्तान

10. किस संगठन का मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में है?

- (i) कितना पैसा? (ii) लाल काड़ा
(iii) यूरोपीय संघ उत्तर- (iv) अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय

(iii) यूरोपीय संघ

11. भारत का कौन सा पड़ोसी देश 1948 में स्वतंत्र हुआ?

- (i) पास्कल स्वर (ii) श्रीलंका (iii) बांग्लादेश (iv) ने पाल

उत्तर-(ii) श्रीलंका

12. 'सूचना का अधिकार' (आरटीआई) अधिनियम कब पारित किया गया था?

- (i) संख्या 2005 (iii) संख्या 2006 (ii) 2004 (iv) 2003

उत्तर-(i) 2005

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए -

1. लोकतांत्रिक सरकार की विभिन्न शाखाएँ क्या हैं और वे क्या करती हैं?

उत्तर: लोकतांत्रिक व्यवस्था के सात अंग हैं स्वधनपसलक, करीपसलक और सनमपसलक।

- कवधानपाक- कानून नहीं बनाता।
- कार्यपालिका - कानून को लागू करती है।
- कनपकालका - कानून की पढ़ाई के साथ-साथ वह एक शिक्षिका के रूप में भी काम करती हैं।

2. SAARC का अंग्रेजी में पूरा नाम क्या है? इस समूह में कौन से देश शामिल हैं?

उत्तर : सार्क का पूरा अंग्रेजी नाम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन है।

इसमें श्रीलंका, भारत, नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, मालदीव और भूटान शामिल हैं।

3. संघीय शासन प्रणाली में किस स्तर पर कितनी सरकारें होती हैं?

उत्तर: पृथ्वी की सतह पर दो प्रकार के वाल्व कार्य करते हैं - केंद्रीय वाल्व और पार्श्व वाल्व।

केंद्रीय सरकार देश की केंद्रीय सरकार होती है, जबकि प्रांतीय सरकारें अपने देश से संबंधित मामलों पर काम करती हैं।

वे करते हैं।

4. भारतीय संविधान के अनुसार संवैधानिक सूचियाँ कितने प्रकार की होती हैं और वे क्या हैं?

उत्तर भारत में तीन प्रकार के धार्मिक समारोह होते हैं - न्ची, रा और मारवती।

5. केन्द्र प्रशासित क्षेत्र क्यों बनाए जाते हैं?

उत्तर: केंद्र शासित प्रदेश वे क्षेत्र हैं जिन्हें सांस्कृतिक या राजनीतिक रूप से या उनके आकार के कारण अलग राज्य नहीं बनाया गया है।

6. भारत में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार कब बनी और उसके प्रधानमंत्री कौन थे?

उत्तर प्रदेश में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार 1977 में बनी थी। सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री मुरारी ने किया था।

(मोरारजी देसाई) नं.

7. 1990 से 2009 तक किस देश में बनी गठबंधन सरकारों के चार प्रधानमंत्रियों के नाम बताइए?

उत्तर: 1990 से 2009 तक भारत में कई गठबंधन सरकारें बनीं। इस दौरान, प्रधानमंत्रियों का चुनाव किसके नाम से हुआ?

हैं:

1. वी. पी. सिंह - 1989 से 1990

2. चंद्रशेखर - 1990 से 1991

3. एच. डी. देवेगौड़ा - 1996 से 1997

4. अटल बिहारी वाजपेई - 1998 से 2004

5. डॉ. मनमोहन सिंह - 2004 से 2014

8. लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभागीदारी के कुछ चरण क्या हैं?

उत्तर- 1. वाणी के माध्यम से सहभागिता

2. विभिन्न जातियों, समुदायों, भाषाओं के मुख से शुद्ध सहभागिता

3. राजनीतिक दलों, गठबंधनों और दबाव समूहों के माध्यम से स्वच्छ सहयोग

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए:

1. लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोकप्रिय भागीदारी के सिद्धांतों को लागू करना, जैसा कि श्रीलंका में पूर्ण रूप से लागू किया गया है।

उत्तर: श्रीलंका भारत का एक पड़ोसी देश है। यहाँ की सबसे बड़ी आबादी लगभग 75% सिंहली और लगभग 18% तमिल है। तमिल भी दो प्रकार के होते हैं - वे जो श्रीलंकाई मूल भाषाएँ बोलते हैं और वे जो कुछ भारतीय मूल की तमिल बोलते हैं। धार्मिक और भाषाई विविधता वाला देश होने के कारण, श्रीलंका राजनीतिक वैधता प्राप्त करने में सक्षम था। 1948 में जब श्रीलंकाई सरकार की स्थापना हुई, तो बहुसंख्यक होने के कारण सिंहली लोगों ने सत्ता हथिया ली और सिंहली को आधिकारिक भाषा घोषित कर दिया। यहाँ तक कि विश्वविद्यालयों में भी, सिंहली भाषा को सबसे पहले अश्वेतों के लिए शुरू किया गया था। सरकारी नौकरियों में भी।

यह पहला कदम तमिल लोगों के आधार पर उठाया गया। परिणामस्वरूप, तमिल लोगों को साफ़-सुथरी नौकरियाँ मिलने लगीं, धर्म की मान्यता मिलने लगी और अपनी तमिल भाषा व संस्कृति को बचाए रखने के लिए सिंहलियों के विरुद्ध एक बड़ा आंदोलन और आन्दोलन शुरू हो गया। तमिल लोग एक तमिल राज्य की माँग करने लगे और उन्होंने कई राजनीतिक दल बनाकर आंदोलन शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप,

देश में भयंकर सशस्त्र संघर्ष छिड़ गया, देश की आंतरिक शांति भंग हो गई और गृहयुद्ध की स्थिति आ गई। कई लोग बेघर हो गए और कई मारे गए। लोकतंत्र एक गतिरोध पर पहुँच गया।

2. समाज में लोगों की भागीदारी का क्या महत्व है? इसके लाभ भी लिखिए।

लोकतंत्र के बाद स्वच्छ ऊर्जा की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि-

□ हाँ, स्वच्छ ऊर्जा प्रणाली का होना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज के विभिन्न वर्गों को स्वच्छ ऊर्जा वितरित करती है।

□ किराया/आवास तनाव कम करता है और सुरक्षा अस्थिरता कम करती है। □ स्वच्छता के लिए उचित सहयोग लोकतंत्र की आत्मा है।

□ शक्तियों का पृथक्करण निर्णय लेने और बहुमत की शक्ति का प्रयोग करने का एक मौलिक अधिकार है।
से रोकता है।

□ राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से लोग राजनीतिक व्यवस्था और देश से जुड़ते हैं।

इसके लाभ इस प्रकार हैं:

1. मतदान के माध्यम से भागीदारी - लोकतांत्रिक सरकार दुनिया के ज्यादातर देशों में निष्पक्ष चुनाव होते हैं। इन निष्पक्ष चुनावों में जनता अपने वोटों के ज़रिए सरकार चुनती है। सरकार को अपनी वैधता हासिल करने के लिए जनता के वोट हासिल करने होते हैं। जिस पार्टी/पार्टियों को बहुमत मिलता है, वही नई सरकार बनाती है, जो जनता की भागीदारी से ही संभव है।

2. राज्य में सभी जाति, संप्रदाय, भाषाई समूहों की भागीदारी- सत्ता का वितरण और धन का वितरण धर्म से संबंधित रहा है, विभिन्न समूहों को, चाहे वे जाति, है। गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए स्वच्छता सुविधाओं का प्रावधान करके उन्हें भी स्वच्छता की भाषा या धर्म के हों, स्वच्छता की व्यवस्था में शामिल किया गया व्यवस्था में शामिल किया गया है। भारत में राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, इसलिए स्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व पुरुषों की तुलना में अधिक है।

मैं अपने कपड़े साफ कर सकता हूँ.

3. राजनीतिक दल, जिन्हें कभी-कभी दबाव समूह भी कहा जाता है, समाज में एकता स्थापित करने में मदद करते हैं - राजनीतिक दल एक ओर जहाँ एक दल के अत्याचारों पर रोक लगाते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार को सत्ता परिवर्तन का विकल्प भी प्रदान करते हैं। राजनीतिक दलों के साथ-साथ दबाव समूह, चाहे वे मज़दूर हों, छात्र हों या उद्योगपति, महिलाएँ हों या पेशेवर समूह, अपनी माँगें पूरी करवाने के लिए जनता से अपने अधिकारों की माँग करते हैं। देश में चलाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आंदोलन भी राजनीतिक सत्ता पर अपना प्रभाव डालते हैं और जनता को अपने पक्ष में लाते हैं।

वे ऐसा करने की कोशिश करते हैं। चुनावों के माध्यम से सत्ता एक दल से दूसरे दल में जाती है। 4. पंचायती राज और शहरी

लोकतंत्र - ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र का विस्तार करने के लिए, 1972 में 73वां संशोधन ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य पंचायत बनाने की दिशा में एक कदम था और 74वां संशोधन शहरी लोकतंत्र से संबंधित है।

3. भारत के आठ केन्द्रीय राज्यों, विदेशी देशों और उनकी राजधानियों में से किसी का नाम बताइए?

उत्तर:

सीरीयल नम्बर।	केंद्र शासित प्रदेश	राजधानियाँ
1 लक्षद्वीप		कावर्ती
2. पुडुचेरी	सादुल्ली	पुदुचेरी
3.		सादुली
4.	चंडीगढ़	चंडीगढ़
5.	अंडमान और निकोबार	पोरी ब्लेयर
6.	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	दमन
7.	लुडाक्रिस	लेह (ग्रीष्म), कार्सगल (शीतकालीन)
8.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर (ग्रीष्म), मुर्री (शीतकालीन)

3. संघवाद क्या है? इसके प्रकार क्या हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: संघीय व्यवस्था के अंतर्गत, देश की सर्वोच्च शक्ति केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विभाजित होती है। केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन इस प्रकार होता है कि देश लोकतांत्रिक तरीके से चलता है। चूंकि केंद्र सरकार देश की केंद्रीय सरकार होती है, इसलिए राष्ट्रीय महत्व की सभी शक्तियाँ उसमें निहित होती हैं। जबकि प्रांतीय सरकारें सदन और सदन के कार्यों तथा अपनी सरकार से संबंधित मामलों पर कार्य करती हैं। संघ के गठन के तरीके या संघ के प्रकार-

1. केंद्र सरकार- इस पद्धति को एकीकरण की पद्धति कहते हैं। इसके माध्यम से कुछ राज्यों का विलय हो जाता है और स्वतः ही एक नया राज्य बन जाता है और सर्वोच्च शक्तियाँ नए राज्य के पास आ जाती हैं। राज्यों की सभी शक्तियाँ राज्यों के पास होती हैं और राष्ट्रीय महत्व की सभी शक्तियाँ केंद्र के पास होती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूर्णतः संघीय ढाँचे वाले हैं।

2. विकेन्द्रीकृत सरकार- एक सरकार अपने प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने के उद्देश्य से देश को इकाइयों में विभाजित करती है। यदि संप्रभुता केंद्र और राज्य दोनों के पास हो, लेकिन देश से संबंधित मामलों पर कानून बनाने की शक्ति केंद्र के पास हो और देश से संबंधित मामलों पर कानून बनाने की शक्ति प्रांतीय या राज्य सरकारों के पास हो, तो ऐसे प्रशासन को विकेन्द्रीकृत सरकार कहा जाता है। भारत, कनाडा, बेल्जियम और पाकिस्तान विकेन्द्रीकृत सरकारों के उदाहरण हैं।

4. भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची के अनुसार विधायी सूचियों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखें।

उत्तर: भारतीय संविधान के 7वें संशोधन के अंतर्गत राष्ट्रीय सभा की सभी केंद्रीय सरकारें, राज्य की सभी राज्य सरकारें और राज्य की सभी राज्य सरकारें दोनों के अंतर्गत अधिसूचित की गई हैं-

1. संघ सूची- संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व के 97 विषय शामिल हैं। लेकिन 42वें संशोधन के बाद विषयों की संख्या 98 हो गई है। इन विषयों पर देश के लिए एक ही कानून की आवश्यकता है। इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है, जैसे- स्वदेशी मामले, शिक्षा, बैंकिंग, रेलवे, डाक सेवाएँ, आब्रजन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, समझौता युद्ध आदि।

2. राज्य सूची- शुरुआत में 66 राज्य राज्य सूची के अंतर्गत थे, लेकिन 42वें संशोधन के बाद, पाँच राज्यों को राज्य सूची से हटाकर राज्य सूची में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रत्येक राज्य सरकार ने इन राज्यों के संबंध में अपने-अपने नियम बनाए हैं। इसी प्रकार, राज्यों के कानून, न्यायालय, न्यायपालिका, स्वास्थ्य क्षेत्र, वित्त, कृषि आदि भी राज्य सूची के अंतर्गत आते हैं।

3. समवर्ती सूची- पहले समवर्ती सूची में 47 विषय थे। लेकिन 42वें संशोधन के बाद विषयों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। इन विषयों पर दोनों राज्यों की सरकारें, यानी केंद्र और राज्य, कानून बनाती हैं। लेकिन दोनों सरकारों के कानूनों में किसी भी तरह की विसंगति होने पर केंद्र सरकार का कानून लागू होगा। इसी तरह, शिक्षा, विवाह, तलाक, समाचार पत्र, खाने-पीने की वस्तुएँ, उत्तराधिकार, मूल्य नियंत्रण आदि।

इन सात वर्षों के बाद जो लोग पीछे रह जाते हैं, उन्हें शेष शक्तियां दे दी जाती हैं और उन पर कानून बनाने की शक्ति केंद्र सरकार के पास होती है।

5. भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची के अनुसार भाषाओं और भाषा नीति के आधार पर राज्यों के गठन पर एक नोट लिखें।

उत्तर भारत में लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए, भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया। 1950 के दशक में, कई पुराने राज्यों की सीमाओं को बदलकर नए राज्य बनाए गए। कई राज्यों का गठन उनके सांस्कृतिक और जातीय समूहों के आधार पर भी किया गया। इनमें नागालैंड, उत्तराखंड और झारखंड जैसे राज्य शामिल हैं। एक ही भाषा बोलने वाले लोगों को अनिवार्य रूप से एक राज्य में लाया गया। 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम के लागू होने के साथ, राज्यों का निर्माण मुख्यतः भाषा के आधार पर हुआ। आंध्र प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और गुजरात का निर्माण भाषा के आधार पर हुआ।

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:-

भारत का संविधान विशुद्ध धार्मिक आधार पर भारतीय नागरिकों के लिए किसी धार्मिक कर्तव्य का प्रावधान नहीं करता है।

संविधान के अनुच्छेद 14 से 32 में मौलिक अधिकारों की एक विस्तृत सूची दी गई है। इन मौलिक अधिकारों को संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), फ्रांस और सोवियत संघ (यूएसएसआर) के संविधानों के प्रासंगिक अनुच्छेदों की तर्ज पर भारतीय संविधान में शामिल किया गया था। भारत सरकार ने 1976 में 42वाँ संविधान संशोधन पारित करके मौलिक अधिकारों को भारतीय संविधान में शामिल किया। इन मौलिक अधिकारों को सोवियत संघ द्वारा भारतीय संविधान में शामिल किया गया था।

(USSR) जो अब रूस है, के संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप संविधान में संशोधन किए गए। इस संशोधन के साथ, 10 मौलिक अधिकार शामिल किए गए, और 2002 के संविधान के 86वें संशोधन के साथ सोलहवाँ मौलिक अधिकार स्थापित हुआ।

इन कर्तव्यों का विवरण इस प्रकार है:

1. संविधान का पालन करना, उसके आदर्शों, स्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना।
2. राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने वालों के आदर्शों का सम्मान करना और उनका अनुसरण करना।
हो गया।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश पर गर्व करना और आवश्यकता पड़ने पर उसकी सेवा करना।

5. धार्मिक, भाषाई, क्षेत्रीय और वर्गीय मतभेदों से ऊपर उठकर, भारत के नागरिक सद्भावना से रहेंगे और

भाईचारे की भावना को अपनाते हुए और लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं का सम्मान करते हुए, हम लोगों की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

की ध्वनि

6. हमारी अनूठी संस्कृति और सुंदर भाषा का सम्मान करें और उसका संरक्षण करें।

7. तालाबों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन जैसे प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और रखरखाव करें।

और सभी जीवित प्राणियों के प्रति सौम्य रवैया रखना।

8. अपने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, मानवतावाद, जिज्ञासा और नैतिकता की भावना विकसित करना।

9. कुलीन पुत्री का अपमान करना तथा राजा को सताना।

10. सैन्य और राजनीतिक गतिविधियों के क्षेत्रों में स्वच्छ दौड़ हासिल करने का प्रयास राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक है और

वृक्ष का फल प्राप्त करके।

11. देश के नागरिकों को शिक्षित और सुशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि गरीबों को अवसर और परिस्थितियां प्रदान की जा सकें।

प्राप्त हुआ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 1.

भारत के राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारतीय नागरिकों का कर्तव्य क्यों है?

उत्तर: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए के तहत संविधान का पालन करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान को सलामी दें। यह राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता का प्रतीक है। इस कर्तव्य के माध्यम से नागरिकों को शुद्ध देशभक्ति की शिक्षा मिलती है।

2. क्या यह हमारा संवैधानिक कर्तव्य है कि हम स्वयं को भ्रम और भ्रांतियों में पड़ने से बचाएँ? कैसे?

उत्तर : हाँ, यह एक संवैधानिक कर्तव्य है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावादी भावना और जिज्ञासा विकसित करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

अंधविश्वासों से ऊपर उठकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचना व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है जो उसे गरीबी से बचाता है।

3. यूएसए और यू.एस.एस.आर. के अंग्रेजी में पूरे नाम क्या हैं?

उत्तर- यूएसए – संयुक्त राज्य अमेरिका

यूएसएसआर - सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ

4. संविधान में मौलिक कर्तव्यों को दो बार शामिल करने से क्या अंतर आया?

उत्तर: पहली बार 1976 में 42वें विधान संशोधन के माध्यम से 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया था। दूसरी बार 2002 में 86वें विधान संशोधन के माध्यम से

11 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इस प्रकार, दोनों संशोधनों में कुल 26 कर्तव्य थे।

5. किस संशोधन के माध्यम से भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया?

उत्तर: 42वें संशोधन (1976) के माध्यम से 10 धार्मिक कर्तव्य जोड़े गए और 86वें संशोधन (2002) के माध्यम से 11वां धार्मिक कर्तव्य जोड़ा गया, जो माता-पिता द्वारा अपने बच्चों की शिक्षा से संबंधित है।

ACTIVITY

1. अपने स्कूल पर एक नज़र डालें और देखें कि स्कूल की संरचना कैसी है और किस तरह का सहयोग उपलब्ध है? यह सहयोग किसे मिलता है?

स्कूल की संरचना सुव्यवस्थित है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति के कार्य और ज़िम्मेदारियाँ स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। ये कार्य विभिन्न स्तरों में विभाजित हैं:

1. प्रधानाध्यापक - विद्यालय की देखभाल करता है। शिक्षकों और छात्रों के बीच अच्छा संवाद बनाए रखता है। विद्यालय के लिए नियम बनाता है और विद्यालय की प्रगति के लिए योजनाएँ बनाता है।
2. शिक्षक - विद्यार्थियों को विभिन्न विषय पढ़ाएँ। उन्हें परीक्षाओं की तैयारी कराएँ। आचरण और नैतिकता पर ध्यान दें।
3. कक्षा प्रभारी - किसी विशेष कक्षा का प्रभार संभालता है। छात्रों की उपस्थिति, कक्षा सहायता और आवश्यक दस्तावेज़ एकत्र करता है।
4. क्लर्क - कार्यालय का काम, फाइलें और प्रशासन संभालता है। शिक्षकों और प्रधानाचार्य की सहायता करता है।
वहाँ हैं।
5. चौकीदार/वरिष्ठ सुरक्षाकर्मी - स्कूल की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। वे स्कूल आने-जाने वाले लोगों पर कड़ी नज़र रखते हैं।
6. सहायक/सफाईकर्मी - स्कूल की सफाई के लिए जिम्मेदार हैं।
7. छात्र - शिक्षण समुदाय का मुख्य हिस्सा। कुछ छात्र सहायक, पुस्तकालयाध्यक्ष या कला पर्यवेक्षक के रूप में भी काम करते हैं।

2. अपनी कंपनी, शहर या कस्बे के प्रबंधन पर इसी तरह चर्चा करें और बताएं कि किस संस्था या प्राधिकरण के पास प्रबंधन चलाने या निर्णय लेने की शक्ति है।

1. परिसर का प्रबंधन - संस्था: ग्राम पंचायत

1. सरपंच - गाँव का मुखिया गाँव का मुखिया होता है। वह गाँव के प्रशासनिक मामलों के लिए ज़िम्मेदार होता है। वह सरकारी नीतियों को लागू करता है और ग्रामीणों के कल्याण का ध्यान रखता है।
2. पंच (सदस्य) - मण्डली के पंच की सहायता करता है।
3. पंचायत सचिवालय - कार्यालय और सरकार का काम संभालता है।
4. निर्णय लेने की शक्ति - पंच एवं पंच

2. नगर प्रबंधन-1. संस्था:

नगर परिषद / गैर-लाभकारी संगठन

2. महापौर - महापौर शहर का मुखिया होता है और सार्वजनिक मामलों की देखरेख करता है और बैठकों का नेतृत्व करता है।
करता है।
3. पार्षद - विभिन्न वार्डों से निर्वाचित सदस्य होते हैं। वे लोगों की शिकायतों को संगम तक पहुँचाते हैं।

4. आयुक्त - एक सरकारी अधिकारी होता है। वह नीतियों का क्रियान्वयन करता है।

5. शहरों में निर्णय लेने की शक्ति - महापौर, पार्षद और आयुक्त।

3. क्या आपकी क्लास का मॉनिटर हर महीने बदलता है? क्या आप बार-बार मॉनिटर बनना चाहते हैं? अगर हाँ, तो चर्चा करें कि क्या यह सहयोगात्मक कक्षा प्रबंधन का उदाहरण है।

क्या आपका वर्तमान क्लास मॉनिटर हर महीने बदलता है?

मेरा माता स्वच्छ मॉनिटर हर महीने अपडेट किया जाता है ताकि हर छात्र को सही मेवाड़ी करने का मौका मिले। यह एक अच्छी प्रक्रिया है क्योंकि:

- इससे प्रत्येक छात्र में आत्मनिर्भरता की भावना पैदा होती है।
- नेतृत्व की भावना संक्रामक होती है।
- विद्यार्थी में यह महसूस करने की क्षमता है कि उसकी बात सुनी जा रही है।

□ क्या आप लगातार मॉनिटर बनना चाहते हैं?

हाँ, क्योंकि मैं

- मैं एक जिम्मेदार नागरिक बनना चाहता हूँ।
- मैं अन्य छात्रों के लिए एक आदर्श बनना चाहता हूँ।
- स्वयं के भीतर आत्म-अनुशासन, नेतृत्व सुनने की भावना को स्वीकार करना है।

क्या यह किराये की कक्षा के सहभागी प्रबंधन का उदाहरण है?

हाँ, हर छात्र समुदाय के नियम बनाना, उनका पालन करना, समुदाय के लिए लड़ना और एक-दूसरे का साथ देना सीखता है। इस तरह, हर छात्र समुदाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना सीखता है।

1. स्वतंत्रता के समय भारत में कितने राज्य थे?
2. भारत के नये प्रांत 22 से 28 तक कब अस्तित्व में आये?
3. भारत के 22 प्रांतों के बाद नवगठित प्रांतों के साथ कलखो।
4. यह भी पता लगाएँ और लिखें कि नवगठित प्रांत किस प्रांत से बनाए गए थे।
5. कुछ पुराने शहरों के नाम लिखिए जिनके नाम बदल दिए गए हैं और उनके नए नाम भी लिखिए?

उत्तर- 1. स्वतंत्रता के समय भारत में 14 राज्य और 6 केंद्र शासित प्रदेश थे।

उत्तर 2.- भारत में 22वें से 28वें शताब्दी तक नए प्रांत अस्तित्व में आए-

राज्य का नाम	राज्य के गठन की तिथि
सुक्कम और नगाल	16 मई, 1975
प्रदेश और समजोरा	20 फरवरी, 1987
गोवा	30 मई, 1987
छुटी गढ़	01 नवंबर, 2000
उत्तराखंड	9 नवंबर, 2000

झारखंड	15 नवंबर, 2000
तेलंगाना	02 जून, 2014

उत्तर 3- 22वीं सदी के बाद अस्तित्व में आए नए प्रांत:

सुस्कम, आंध्र प्रदेश, समझौता, गोवा, उत्तराखंड, झारखंड, चूटीगढ़, तेलंगाना

उत्तर 4- निम्नलिखित में से किस राज्य से नए राज्य बनाए गए:

नए राज्य	कौन सा प्रांत लकड़ी से बना है?
छुटी गढ़	विदेश
उत्तराखंड	उत्तर प्रदेश।
झारखंड	सुबह
तेलंगाना	आंध्र प्रदेश

उत्तर 5. पुराने शहरों के नाम जो बदले गए-

पुराना नाम	नए नाम
बंबई	मुंबई
मद्रा	चेन्नई
कलकत्ता	कोलकाता
बैंगलोर	बैंगलुरु

4. आपके गाँव या शहर में स्थानीय निकाय का चुनाव कब हुआ था? पंचायत या निर पाकलका, निर कनिम

कितने सदस्य हैं? निर्वाचित सदस्यों में कितनी महिलाएँ हैं? अनुसूचित जातियों के लिए कितनी सीटें हैं? प्रत्येक राज्य में राज्यसभा, लोकसभा और राज्य विधानसभा का सदस्य कौन है?

उत्तर- 1. सपांद के पंचायत चुनाव की तिथि- 15 अक्टूबर 2023

1. पंचायत के सदस्यों की संख्या - आर पंच और पंच
2. इटालियनों की संख्या - तीन और दो (3)
3. अछूत - 2
4. राजभवन- हरभिन संघ के सदस्य
5. लोकसभा सदस्य- . मालसवंदर संघ कंग
6. राष्ट्रीय सभा के सदस्य- कलवंत संघ

नोट : उपरोक्त विधियाँ केवल शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन/दृष्टिकोण हेतु तैयार की गई हैं। शिक्षक भी अपनी समझ, सुविधानुसार एवं तकनीक की सहायता से इन विधियों का समाधान कर सकते हैं। उपरोक्त जानकारी/चित्र/

चैट GPT का उपयोग किया गया है।/विकिपीडिया कॉमन्स/भविष्य में उपयोग के लिए खुला

योगदान: हरिसविंदर संघ (बोहम सरोवर पूर्ण, मासिक स्वज्ञान) ए। आई. आर. वी., पंजाब, . . . छिना बेग, गरेदा पूर्ण, रणवीर कौर (लाख साह त्रि). मनदीप . म.म.ढीठा घेट, गुतरामपुर कौर (...सैम रे) (म.म.भिमटैम) म.के.म.म.देखिए, साधना.